सांध्य दैनिक
4PM

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 10 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 10 फरवरी, 2022

प्रियंका के काफिले में शामिल लैंड क्रूजर... 7 | सुरेंद्र सिंह की बगावत से बलिया... 3 | भाजपा सरकार के नौ मंत्रियों की... 2

यूपी विधान सभा चुनाव के पहले चरण का मतदान

सर्दी बेअसर, मतदाताओं का जोश हाई

दोपहर एक बजे तक 35.03 फीसदी मतदान

» बूथों पर उमड़े मतदाता, 58 सीटों पर वोटिंग
» कुछ स्थानों में ईवीएम में गड़बड़ी से मतदान बाधित
» दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर, मतदाता को धमकाने पर मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर मतदाताओं का जोश हाई दिखा। सर्दी और कोहरे के बीच आज सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं। पहले चरण में 11 जिलों के 58 विधान सभा क्षेत्र के लिए वोटिंग हो रही है। प्रदेश की योगी सरकार के नौ मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर है। कई स्थानों में ईवीएम में गड़बड़ी के कारण कुछ देर के लिए मतदान बाधित रहा। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

यूपी विधान सभा चुनाव 2022 के पहले चरण के मतदान में 11 जिलों के वोटर सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर अपने अधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 58 सीटों पर हो रहे मतदान में पहले चार घंटे में 20.03 प्रतिशत मतदान हुआ। दोपहर एक बजे तक औसत मतदान 35.03 फीसदी तक पहुंच गया। आगरा में केन्द्रीय कानून राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल और मुजफ्फनगर में केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान ने वोट डाला। शामली में सपा व राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी पर दलित समाज पर दबाव बना कर वोट डलवाने के आरोप में पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य उमेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कुछ बूथों से ईवीएम में खराबी के कारण मतदान देर से शुरू हुआ। मेरठ में ईवीएम में खराबी के कारण मतदाताओं को इंतजार करना पड़ा।

पहला चरण

कुल सीटें	:	58
कुल मतदाता	:	2.28 करोड़
पुरुष मतदाता	:	1.24 करोड़
महिला मतदाता	:	1.04 करोड़
थर्ड जेंडर मतदाता	:	1,448
कुल प्रत्याशी	:	623
महिला प्रत्याशी	:	73

मतदान के बहिष्कार से हड़कंप

बुलंदशहर। डिबाई थाना क्षेत्र के नगला भूड़ गांव में सड़क और पुल न बनने से नाराज ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया, जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अफसरों में हड़कंप मच गया। हालांकि अफसरों और प्रत्याशियों के समझाने के बाद ग्रामीण मान गए और मतदान शुरू हुआ।

सपा ने गरीब मतदाताओं को बूथ से भगाने का लगाया आरोप

शामली। सपा ने आरोप लगाया है कि कैराना में गरीब वर्ग के मतदाताओं को डरा धमका कर वोट की लाइन से वापस भगाया जा रहा है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से मामले का संज्ञान लेते हुए भयमुक्त और निष्पक्ष मतदान कराने की मांग की है। सपा के आरोपों पर निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया है।

ईवीएम में खराबी पर सपा प्रमुख अखिलेश ने उठाए सवाल, कहा

निष्पक्ष मतदान कराना आयोग की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ईवीएम में खराबी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग से अपील है और साथ ही अपेक्षा है कि जहां भी ईवीएम खराब होने या जानबूझकर मतदान धीमे कराए जाने के आरोप लग रहे हैं, उन मतदान केंद्रों पर वो तत्काल यथोचित कार्रवाई करे। 'सुचारू और निष्पक्ष मतदान' चुनाव आयोग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

पहले चरण के चुनाव में जहां भाजपा के सामने 2017 के प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती है तो वहीं सपा-रालोद गठबंधन भी पहले चरण से ही बढ़त बनाने के लिए जोर आजमाइश में लगा है। बसपा व कांग्रेस भी पूरे दमखम से चुनाव मैदान में है। मतदान को देखते हुए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

यूपी को विकास की ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए भाजपा सरकार जरूरी : मोदी

» अपराधियों को भेजा जा रहा जेल, कानून व्यवस्था को किया गया मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। जनपद के रिमाउंट डिपो मैदान में पीएम नरेन्द्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों ने ठान लिया है कि जो यूपी को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाएगा उसको ही वोट देंगे। जो यूपी को दंगा मुक्त रखेगा, उसे वोट देंगे। दंगों के खेल फिर से नहीं आने देना है। जो हमारी बहन बेटियों को भय मुक्त रखेगा, उसे ही वोट देंगे। जो अपराधियों को जेल भेजेगा, उसे ही वोट देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने यूपी चुनाव के लिए जो घोषणा पत्र जारी किया है, वह लोक कल्याण का संकल्प पत्र है। डबल इंजन की सरकार जो काम कर रही है, उसके लिए भाजपा सरकार जरूरी है। गरीबों को पीएम आवास योजना के घर मिलते रहें, अच्छे अस्पतालों में पांच लाख तक की मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिलती रहे, छोटे किसानों के बैंक खाते में पीएम किसान सम्मान निधि योजना का पैसा सीधे पहुंचता रहे, गरीबों को महामारी के समय मुफ्त राशन मिलता रहे, इसके लिए भी यूपी में भाजपा सरकार जरूरी है।

गरीबों, किसानों और महिलाओं के हित में काम किया है प्रदेश सरकार ने

उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि गरीबों को कोरोना काल खंड में वैक्सीन मुफ्त लगने में दिक्कत न हो, इसके लिए यूपी में भाजपा सरकार जरूरी है क्योंकि घोर परिवारवादी लोग सरकार में होते तो वैक्सीन रास्ते में ही बिक जाती और जनता कोरोना के भय से आशंकित होकर जीवन-मृत्यु की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो जाती। योगी की सरकार यूपी के अलग अलग जिलों को अच्छी सड़कों से जोड़ रहे हैं। यूपी की कनेक्टिविटी बढ़ा रहे हैं। गंगा एक्सप्रेसवे, दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे, दिल्ली यमुनोत्री हाइवे, दिल्ली सहारनपुर फोरलेन, सहारनपुर एयरपोर्ट, यूपी में इतने बड़े-बड़े काम पहले कभी नहीं हुए।

भाजपा सरकार के नौ मंत्रियों की साख दांव पर

» अधिकतर विधायक व मंत्रियों की बढ़ गईं संपत्ति, कामकाज न करने का लगा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, मथुरा, आगरा, नोएडा और अलीगढ़ में मतदान हो रहा है। इन जिलों में कुल 58 विधानसभा सीटें हैं। इनमें नौ सीटों पर योगी सरकार में मंत्री रहे नेता भी चुनाव लड़ रहे हैं। पांच साल तक इन मंत्रियों ने जनता के लिए कितना काम किया? इसका जवाब तो 10 मार्च को मिल जाएगा, लेकिन इन पांच सालों में इनकी कमाई कितनी हुई? किसने क्या किया? किसपर मुकदमे हुए और किसने कितने की संपत्ति बनाई है इसकी जानकारी अब सार्वजनिक हो चुकी है।

यही नहीं मतदान से एक दिन पूर्व योगी सरकार के विधायक व मंत्रियों पर पांच साल में कामकाज न करने का भी आरोप लगा। मतदान से पूर्व बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़ के मतदाताओं ने कहा भाजपा विकास की बात नहीं करती है जबकि उसके विकास के नाम पर राजनीति करनी चाहिए। हिंदु-मुस्लिम न कर, बल्कि शांति प्रिय माहौल बनाना चाहिए तभी प्रदेश की तरक्की होगी।

अतुल गर्ग : हीरे-जेवरात के शौकीन लेकिन गाड़ी नहीं

गाजियाबाद सीट से चुनावी मैदान में योगी कैबिनेट के मंत्री अतुल गर्ग हैं। अतुल गर्ग ने चुनाव आयोग को दिए अपने हलफनामा में संपत्ति और आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया है कि उनके पास 18.54 करोड़ की संपत्ति है। अतुल गर्ग ने 2017 में एकता कपूर की कंपनी बालाजी एसोसिएट्स में 54.50 लाख के निवेश की बात बताई थी। अतुल हीरे-जेवरात के शौकीन है, मगर गाड़ी नहीं।

सुरेश राणा : पांच साल में उम्र सात साल बढ़ गई

शामली के थाना भवन सीट से भाजपा के प्रत्याशी और यूपी के गन्ना मंत्री सुरेश राणा पांच साल में करोड़पति नहीं बन पाए हैं। चुनाव आयोग को दिए हलफनामे के अनुसार उनकी संपत्ति दोगुनी तो हुई है, लेकिन अभी एक करोड़ का दायरा नहीं छू पाए हैं। भले ही राणा इन पांच साल में करोड़पति नहीं बन पाए हों, लेकिन उनकी उम्र सात साल बढ़ गई। 2017 में उन्होंने 44 साल की उम्र दिखाई थी, जो अब 51 हो गई है।

श्रीकांत शर्मा : संपत्ति में 18 लाख का इजाफा

उत्तर प्रदेश सरकार में बिजली मंत्री श्रीकांत शर्मा की संपत्ति में करीब 18 लाख रुपए का इजाफा हुआ है। 2017 और 2022 में दिए हलफनामे की तुलना करने पर मालूम चलता है कि इन पांच साल में मंत्री की जमीनों के दाम में बिल्कुल बढ़ोतरी नहीं हुई है। हालांकि पत्नी के नाम दिल्ली में स्थित फ्लैट की कीमत में चार लाख रुपये की बढ़ोतरी जरूरत दिखाई है। मंत्री की सालाना आय में भी इजाफा हुआ है।

संदीप सिंह : कल्याण सिंह के पोते की उम्र पांच साल में छह साल बढ़ गई

योगी सरकार में राज्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पौत्र संदीप सिंह ने अतरौली विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया है। संदीप सिंह ने यूके की लीड्स वैकेट यूनिवर्सिटी से परास्नातक की पढ़ाई की है। 2017 में दिए हलफनामे के अनुसार संदीप के पास कुल 1.42 करोड़ चल और अचल संपत्ति थी। अब ये बढ़कर 14.46 करोड़ हो गई है। संदीप की उम्र में पांच साल में छह साल का इजाफा हुआ है।

कपिल देव अग्रवाल : आय में इजाफा, जेवरात भी खरीद डाले

मुजफ्फरनगर से चुनाव लड़ रहे कपिल देव अग्रवाल की वार्षिक आय 2017 में 5.57 लाख रुपए थी जो 2022 में बढ़कर 15.24 लाख रुपए हो गई। साथ ही उन पर कर्ज भी दोगुना हो गया। 2017 में उन्होंने 21.66 लाख रुपए का कर्ज दर्शाया था जो 2022 में 41.94 लाख रुपए हो गया। उनके पास 17.50 लाख रुपये की कार है। कपिल के नाम कोई असलहा नहीं है।

यूपी में भाजपा 340 सीटें जीतेगी : हृदय नारायण

» विधानसभा अध्यक्ष ने कहा यूपी में फिर भाजपा की लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज खरीद रही है। बंद चीनी मिलों को चालू कराया है तो गन्ना किसानों को 1.43 लाख करोड़ रुपए का भुगतान कराया है। गरीबों को निशुल्क राशन उपलब्ध कराने का काम किया है।

माफियाओं और गुंडों को जेल भेजने के साथ अपराध से अर्जित संपत्ति को जब्त करने और उस पर बुलडोजर चलाने का काम योगी सरकार ने किया है। यही कारण प्रदेश में भाजपा की लहर है और हम फिर 340 से अधिक सीटें जीतने जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने उन्नाव में कहा कि अवैध ढंग से अर्जित माफिया का 1800 करोड़ रुपया जब्त किया गया और अवैध कब्जे ध्वस्त किए गए हैं। प्रदेश सरकार केंद्र की 44 योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अव्वल रही है। प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और नेतृत्व में राज्य सरकार को अब तक के कार्यकाल में पूरी सफलता मिली है। प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस समय भाजपा की लहर है।

हिंदू समुदाय किसी के प्रति विरोधी नहीं : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हैदराबाद में कहा कि हिंदू इतने सक्षम हैं कि किसी के पास उनके खिलाफ खड़े होने की ताकत नहीं है। हिंदू समुदाय किसी के प्रति विरोधी नहीं है। भागवत हैदराबाद में संत श्री रामानुजाचार्य की जयंती समारोह में भाग लेने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा हमारे पास इतना सामर्थ्य है कि किसी के पास हमारे सामने खड़े रहने की ताकत नहीं है। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू समाज किसी का विरोधी नहीं है। भागवत ने आगे कहा कि हम सदियों से कायम हैं और फलते-फूलते रहे हैं। जिन लोगों ने 1,000 सालों तक हिंदुओं को नष्ट करने की कोशिश की, वे अब दुनिया भर में आपस में लड़ रहे हैं।

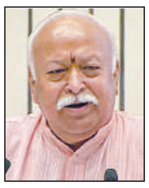

बिकनी वाले बयान पर सवालों के घेरे में प्रियंका गांधी

» भाजपा ने कहा कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद पर राजनीति तेज हो गई है। बयानबाजी के केंद्र में रहीं कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने हिजाब पहनने के पक्ष में ट्वीट किया और फिर पीसी में इसी मुद्दे पर एक पत्रकार से उनकी बहस हो गई। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद, आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन नेता असदुद्दीन ओवैसी, शिवसेना नेता व महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने भी हिजाब पहनने के पक्ष और विपक्ष में बयान दिए।

जबकि कांग्रेस सांसद के सुरेश ने कल इस मुद्दे पर लोकसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। वहीं, उप्र से भाजपा के राज्यसभा सदस्य हरनाथ सिंह यादव ने कहा कि कुछ लोग इस देश को अफगानिस्तान बनाना चाहते हैं। बता दें कर्नाटक के कुछ शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने को लेकर विवाद की स्थिति है। प्रियंका ने ट्वीट में लिखा, बिकनी, घूंघट, जींस या हिजाब, यह एक महिला का अधिकार है कि वह तय करे कि क्या पहनना है। इस बीच प्रियंका ने पूछा कि क्या मैंने हिजाब पर बहस छेड़ी? एक महिला को अधिकार है कि वह बिकनी पहनना चाहे या हिजाब पहनना चाहे या घूंघट काढ़े या साड़ी पहने या जींस। इसमें कोई राजनीति की बात नहीं है। प्रियंका ने कहा किसी को अधिकार नहीं है कि वह एक महिला से यह कहे कि वह क्या पहने।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा को वोट नहीं सजा दें लोग : टिकैत

» किसानों को चुनाव में अपनी ताकत का एहसास कराना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संयुक्त किसान मोर्चा का नेतृत्व कर रहे भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि इस बार के चुनाव में किसान विरोधी भाजपा को सजा दें। भाजपा को सत्ता में आने से रोका जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में किसानों को अपनी ताकत का एहसास भाजपा समेत अन्य दलों को कराना ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सब किसानों को पता है कि मतदान किसके पक्ष में करना है। किसान समझदार है।

मुरादाबाद में संयुक्त किसान मोर्चा की प्रेस वार्ता में राकेश टिकैत ने कहा कि भाजपा अपने वादों से मुकर गई है। किसान आंदोलन में सरकार ने जिन वादों पर काम करने के लिए भरोसा दिलाया था, अब वह उन्हें भूल चुकी है। चुनाव में भाजपा को वही वादे याद दिलाने का वक्त आ गया है। उन्होंने कहा कि देशभर के 57 किसान संगठन एक साथ हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में घूम-घूमकर भाजपा को वोट नहीं करने की लोगों से अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि भाजपा मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाए और योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से चुनाव जीत कर आएं और विपक्ष में बैठें। इस दौरान हन्नान मोल्लाह, योगेंद्र यादव, जगजीत सिंह समेत संयुक्त किसान मोर्चा के अन्य पदाधिकारियों ने भी अपनी बात रखी। राकेश टिकैत ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सीएम इतने बड़े ओहदे पर बैठे हैं। उनके मुंह से गर्मी और चर्बी की भाषा अच्छी नहीं लगती है। उन्हें ऐसी भाषा नहीं बोलनी चाहिए।

सरकार भूल गई अपने वादे, हम याद दिलाएंगे

संयुक्त किसान मोर्चा के योगेंद्र यादव ने कहा कि तीन कृषि कानूनों के विरोध में 13 माह तक आंदोलन चला था। 715 किसान शहीद हो गए। सरकार की ओर से एमएसपी के लिए कमेटी गठित करने, किसानों पर दर्ज हुए मुकदमे वापस लेने और मारे गए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। संयुक्त किसान मोर्चा ने विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देने के लिए मिशन उत्तर प्रदेश से शुरुआत की है। उत्तर प्रदेश के सभी बड़े शहरों में संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा मोर्चा कोई राजनीति नहीं कर रहा है। हम किसान विरोधी भाजपा को सत्ता में आने से रोकना चाहते हैं।

सुरेंद्र सिंह की बगावत से बलिया में बिगड़ सकता है भाजपा का समीकरण

» निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया ऐलान, विवादित बयानों से रहते हैं सुर्खियों में

» पार्टी नेता पर लगाया साजिश का आरोप, शीर्ष नेतृत्व को भी दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में भाजपा के लिए पूर्वांचल में चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। भाजपा से टिकट कटने के बाद सुरेंद्र सिंह ने बगावत का झंडा उठा लिया और बैरिया सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है, जिससे बलिया का सियासी समीकरण बिगड़ता दिख रहा है। ऐसे में भाजपा के लिए बलिया में 2017 जैसे नतीजे दोहराना आसान नहीं होगा। भाजपा ने बलिया के बैरिया सीट से विधायक सुरेंद्र सिंह का टिकट काटकर आनंद स्वरूप शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है।

बैरिया विधान सभा सीट से विधायक सुरेंद्र सिंह अपने विवादित बयानों को लेकर पांच साल से चर्चा में बने हुए थे। लिहाजा भाजपा ने सुरेंद्र सिंह का टिकट काट दिया है। सुरेंद्र सिंह आरएसएस से जुड़े रहे हैं और जमीनी नेता माने जाते हैं। सुरेंद्र सिंह सियासत में काफी पहले से सक्रिय हैं लेकिन विधायक 2017 में पहली बार बैरिया सीट से बने। विधायक बनने के बाद से सुरेंद्र सिंह सुर्खियों में बने रहे। टिकट कटने के बाद वे आक्रामक तेवर में हैं और अपने पार्टी के ही नेताओं के खिलाफ साजिश का आरोप लगा रहे हैं। बलिया से भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह और सुरेंद्र सिंह के बीच पटरी नहीं खाती। दोनों की अदावत कई बार सड़कों पर भी दिख चुकी है। यही वजह है कि टिकट कटने का आरोप सुरेंद्र सिंह ने सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त पर लगाया और कहा कि सांसद की सपा से मिली भगत है। वह भाजपा को हराने के लिए इस तरह का कृत्य कर रहे हैं। 10 मार्च के बाद ऐसे लोगों को माकूल जवाब दूंगा। सुरेंद्र सिंह ने अपनी अलग टीम खड़ी कर दी है। उन्होंने भाजपा शीर्ष नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि आप लोगों ने मेरा टिकट काट दिया। सभी को यह समझना होगा कि टिकट भले ही पार्टियां देतीं हैं, लेकिन विधायक जनता बनाती है। टिकट के दम पर जनता के मन को नहीं बदला जा सकता। टिकट तय करने वाले आकर देख ले बैरिया की जनता किसके साथ है। सुरेंद्र सिंह के समर्थन में उमड़े हुजूम को देखने के बाद भाजपा के लिए बैरिया में काफी असहज स्थिति हो गई है।

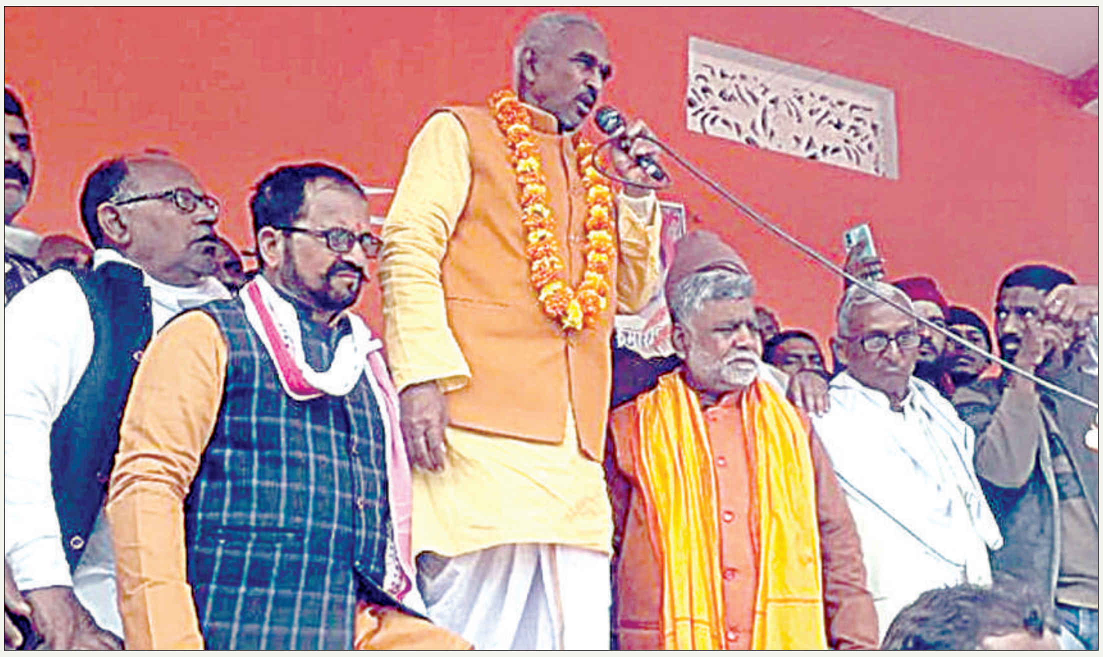

ठाकुर बहुल है बैरिया सीट

बैरिया सीट के सियासी समीकरण को देखें तो साढ़े तीन लाख से अधिक मतदाता हैं, लेकिन ठाकुर और यादव वोटरों का वर्चस्व है। यादव मतदाता 85 हजार हैं और क्षत्रिय मतदाताओं की संख्या 80 हजार के करीब है। दलित वोटर 60 हजार और ब्राह्मण वोटर करीब 40 हजार हैं। भाजपा ने ठाकुर का टिकट काटकर ब्राह्मण समुदाय से आने वाले आनंद स्वरूप को प्रत्याशी बनाया है जबकि सपा ने यादव समाज से आने वाले पूर्व विधायक जयप्रकाश अंचल को उतारा है।

वोटों में हो सकता है बिखराव

सुरेंद्र सिंह निर्दलीय चुनाव में उतरने से तो भाजपा के कोर वोट बैंक बंट सकता है। 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा को महज इसीलिए जीत मिली थी क्योंकि ठाकुर और ब्राह्मण मतदाता एकजुट थे और ओमप्रकाश राजभर के साथ गठबंधन के चलते राजभर समाज का भी वोट मिला था। इस बार राजभर सपा के साथ है तो सुरेंद्र सिंह निर्दलीय चुनावी ताल ठोंक रहे हैं।

क्षेत्रीय बनाम बाहरी का मुद्दा

बैरिया सीट पर बीजेपी ने बलिया से विधायक आनंद स्वरूप शुक्ला को उतारा है जो बलिया क्षेत्र के रहने वाले हैं। वहीं, सुरेंद्र सिंह बैरिया से हैं। ऐसे में बाहरी बनाम क्षेत्रीय का भी मुद्दा बन गया है। ऐसे ही बलिया शहर सीट पर भी बीजेपी का गणित बिगड़ गया है। भाजपा ने बलिया शहर सीट पर दयाशंकर सिंह को प्रत्याशी बनाया है जबकि सपा ने पूर्व मंत्री नारद राय को उतारा है। दयाशंकर सिंह मूलरूप से बलिया के रहने वाले हैं लेकिन काफी समय से लखनऊ में रह रहे हैं। वहीं, नारद राय क्षेत्र के हैं।

यूपी की हाट सीटों पर पूरे देश की नजर गोरखपुर से करहल तक सियासत गर्म

» सीएम योगी से लेकर सपा मुखिया अखिलेश तक ठोक रहे हैं ताल

» एक-दूसरे की घेराबंदी करने में जुटे दल, वोटरों की टटोल रहे नब्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव का सियासी संग्राम चरम पर पहुंच चुका है। आज से चुनावी मतदान का दौर शुरू गया है। इस बार यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से लेकर कई बड़े चेहरों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। ये हस्तियां इस बार चुनाव मैदान में हैं। पिछले दो दशकों में पहली बार है जब कोई सीएम चुनावी मैदान उतरा है। इससे पहले मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए चुनाव लड़ा था। इस दिग्गजों की जीत-हार पर पूरे देश की नजर है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा गोरखपुर सदर सीट की है। यहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद चुनाव मैदान में हैं। विधान सभा का यह क्षेत्र गोरखपुर की उस संसदीय सीट में आता है जहां से योगी पांच बार लगातार सांसद रह चुके हैं। इस सीट पर अब तक हुए 17 चुनावों में 10 बार जनसंघ, हिंदू महासभा और भाजपा का परचम लहरा चुका है। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ गोरखपुर सदर सीट से पुराने भाजपाई रहे उपेंद्र दत्त शुक्ला की पत्नी सुभावती शुक्ला को मैदान में उतारा है। वहीं मैनपुरी जिले की करहल विधान सभा सीट की इन दिनों काफी चर्चा है। यहां से समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव खुद चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय राज्यमंत्री और एक जमाने में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के खास रहे प्रो. एसपी सिंह बघेल को मैदान में उतारा है। बघेल मुलायम सिंह के पीएसओ भी रह चुके हैं। यादव बहुल होने के चलते करहल सीट को सपा का गढ़ माना जाता है।

प्रयागराज परिक्षेत्र की महत्वपूर्ण सीट मानी जा रही सिराथू विधान सभा सीट को लेकर सभी की निगाह है। यहां से उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य चुनाव लड़ रहे हैं। कौशांबी जिले की सिराथू विधान सभा सीट से केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी के रूप में अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पल्लवी पटेल ने नामांकन भरा है। वहीं, बहुजन समाज पार्टी ने मुनसब अली को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर पटेल वोटर्स की भूमिका काफी निर्णायक है। ऐसे में केशव प्रसाद मौर्य के सामने ये बड़ी चुनौती होगी। वहीं करीब दो साल से सीतापुर जेल में बंद सांसद और कद्दावर नेता आजम खां को समाजवादी पार्टी ने रामपुर से उम्मीदवार बनाया है। वह इस बार जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। आजम खां के खिलाफ 103 मुकदमे दर्ज हैं। आजम लगातार जमानत के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें सफलता नहीं मिली है। आजम के खिलाफ भाजपा ने आकाश सक्सेना उर्फ हनी को टिकट दिया है। बसपा ने यहां से सदाकत हुसैन और कांग्रेस ने काजिम अली खान को उम्मीदवार बनाया है।

सियासी समीकरण साधने में जुटे

इन हाट सीटों पर सभी दल अपने विरोधी को न केवल घेरने बल्कि अपने समीकरण साधने में जुटे हुए हैं। वहीं पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ता जा रहा है। चौपालों में चुनावी चर्चा तेज हो चुकी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

देश में बढ़ता प्रदूषण और चिकित्सा सेवा पर दबाव

> सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर गंभीर क्यों नहीं हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण स्तर की निगरानी में लापरवाही क्यों की जा रही है? वायु की गुणवत्ता मापने वाले यंत्रों और केंद्रों की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? सियासी दलों के घोषणा पत्र से प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा सिरे से गायब क्यों है?

तमाम दावों और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद देश में प्रदूषण का स्तर सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। देश के करीब तीस शहरों की हवा बेहद प्रदूषित है। वहीं अधिकांश शहर प्रदूषण से जूझ रहे हैं। इसके कारण लोगों की सेहत पर खराब असर पड़ रहा है। श्वांस और एलर्जी के बढ़ते रोगियों के कारण चिकित्सा सेवाओं पर इसका दबाव लगातार बढ़ रहा है। सवाल यह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर गंभीर क्यों नहीं हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है? प्रदूषण स्तर की निगरानी में लापरवाही क्यों की जा रही है? वायु की गुणवत्ता मापने वाले यंत्रों और केंद्रों की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? सियासी दलों के घोषणा पत्र से प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा सिरे से गायब क्यों है? क्या प्रदूषण सरकारी अस्पतालों में रोगियों का बोझ बढ़ा रहा है? राज्य सरकारें नागरिकों की सेहत को लेकर गंभीर क्यों नहीं हो रही है? प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने के उपाय क्यों नहीं किये जा रहे हैं?

देश के अधिकांश शहरवासी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। सर्दी के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं। कोरोना काल में भी प्रदूषण को नियंत्रित करने का कोई उपाय होता नहीं दिख रहा है। मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद समेत तीस से अधिक शहरों का प्रदूषण स्तर पिछले दिनों खराब से बेहद खराब के बीच रहा है। दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों में अकेले नौ भारत में हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद कई राज्यों में प्रदूषण स्तर की नियमित निगरानी नहीं की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि वायु की गुणवत्ता मापने वाले यंत्र भी पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। सितंबर 2021 तक इनकी संख्या महज 804 थी जबकि इनकी संख्या चार हजार से अधिक होनी चाहिए। इसमें भी महज कुछ यंत्रों की माप ही केंद्रीय डाटाबेस में दर्ज की जाती है। जाहिर है इससे प्रदूषण की सही स्थिति का आंकलन नहीं हो पा रहा है। सच यह है कि प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने के लिए कोई ठोस कदम आज तक नहीं उठाए गए हैं। सड़कों पर दौड़ते खटारा वाहनों पर कोई रोक नहीं है। सड़कों पर उड़ते धूल कण और चिमनियों से निकलता धुंआ प्रदूषण स्तर को लगातार बढ़ा रहा है। इसका सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। इसके कारण श्वांस रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। अब बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। लिहाजा अस्पतालों में मरीजों का बोझ बढ़ता जा रहा है। जाहिर है यदि सरकारें को शहरों को प्रदूषण मुक्त करना है तो उसे कड़ी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियाचिन की सामरिक प्रासंगिकता की समीक्षा जरूरी

अशोक के. मेहता

जनरल एमएम नरवणे ने यह कह कर खलबली मचा दी 'यदि एक बार पाकिस्तान वास्तविक सीमा रेखा की निशानदेही कर दे तो हम भी सियाचिन को गैर-सैन्य क्षेत्र बनाने के विरुद्ध नहीं हैं।' उनके इस कथन ने सियाचिन की सामरिक प्रासंगिकता पर बहस को पुन: जिंदा कर दिया है। सैन्य कमांडर ले. जनरल छिब्बर, जिनकी निगरानी में 1984 में सियाचिन पर भारत का कब्जा हुआ था, उन्होंने भी बाद में कहा था, 'सियाचिन की सामरिक प्रासंगिकता कुछ खास नहीं है। इसी तर्ज पर बांग्लादेश युद्ध के दौरान डायरेक्टर जनरल, मिलिट्री ऑपरेशंस रहे ले. जनरल इंदर गिल ने 1997 में कहा था, 'दोनों मुल्क बिना विशेष सामरिक नफे के अपना-अपना पैसा सियाचिन पर बर्बाद कर रहे हैं।' परंतु नई पीढ़ी के अफसरों का मानना है कि परिस्थिति बदल चुकी है। विपरीत दिशाओं में हमारे समक्ष आज दो मोर्चों वाली स्थिति है।

ब्रूकिंग्स स्नातक स्टीफन कोहेन कहते हैं, 'सियाचिन मसला कंघी के लिए लड़ रहे दो गंजे आदमियों जैसा है।' सियाचिन तक पहुंचना ही बहुत दुरूह है और कब्जा बनाए रखने में भी विशेष लाभ नहीं है, इसका पता 1949 और 1972 में हुई नक्शाबंदी से चलता है, जब दोनों बार यह काम एनजे 9842 बिंदु तक जाकर रोकना पड़ा, इससे आगे सियाचिन ग्लेशियर का इलाका शुरू होता है। जब से भारत ने 1984 में पूर्व-कार्रवाई द्वारा सियाचिन से पाकिस्तान को बेदखल करने की कोशिशें करनी शुरू कीं तब से इसकी सामरिक महत्ता गिनाई जाने लगी। इसको अपने कब्जे में रखना इज्जत का सवाल हो गया, भले ही कीमत कुछ भी चुकानी पड़े। पहले साल्टोरो रिज की 21000 फुट ऊंचाई वाली कायद चौकी पाकिस्तान के कब्जे में थी। वहां से बैठकर वह समूचे सियाचिन क्षेत्र में गोलाबारी से कहर बरपाने की स्थिति में था। 24 जून, 1987 के दिन जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फेंट्री की टुकड़ी ने विपरीत मौसम में, लगातार 48 घंटे चले अभियान में, जमे झरने की सीधी खड़ी बर्फीली दीवार से चढ़कर कायद चौकी पर पैर जमाने में सफलता हासिल की। साल्टोरो रिज के इस तीखे शिखर पर, जहां संतरी सहित महज पांच आदमी लायक जगह है, उसे बाना सिंह और उनके दल ने हमला कर कब्जा लिया। सम्मानपूर्वक कायद चौकी का नया नाम 'बाना पोस्ट' रखा गया और इस तरह इस चौकी का उल्लेख जम्मू-कश्मीर में चले सैन्य अभियानों में सबसे प्रतिष्ठित एवं अलंकृत बन गया। बहादुरी के लिए

बाना सिंह को परमवीर चक्र मिला तो साथियों में तीन को वीर चक्र और अन्य बहादुरी पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कायद चौकी हारने का मातम पाकिस्तान में मना। तत्कालीन विपक्षी नेता बेनज़ीर भुट्टो ने जनरल जिया-उल-हक पर तंज कसते हुए कहा कि हमारी फौज को चूड़ियां पहन लेनी चाहिए।

पाकिस्तान सियाचिन में मिली हार को भूला नहीं है। सियाचिन पर नियंत्रण की होड़ शुरू होने के बाद से दोनों पक्षों को इसकी कीमत 2150 सैनिकों की जान चुकाकर और 5000 घायलों के रूप में देनी पड़ी है, अनुमान है रोजाना 10 लाख डॉलर का खर्च भी वहन करना पड़ता है। आरंभिक दिनों में, ग्लेशियर पर हमारे फौजियों के लिए सुविधाएं एकदम साधारण थीं, लेकिन धीरे-धीरे सुविधा और भत्तों में काफी सुधार होता गया। स्टेट ऑफ आर्ट हाई ऑल्टीट्यूड साजो-सामान, राशन और अच्छे मुआवजे ने सियाचिन तैनाती के दौरान जानी और जिस्मानी नुकसान के फिक्र को गौण किया है। 2003 में लागू हुए और 2021 में पुन: सुदृढ़ किए गए युद्ध विराम के बाद से शत-प्रतिशत मौतें अब केवल मौसम की वजह से हैं। सियाचिन का आधार कैम्प, जो ग्लेशियर के मुहाने पर है, अब मानो सैनिकों के लिए पर्यटक आकर्षण है। निचले ग्लेशियर या उसके आसपास के इलाके में किसी फौजी का तैनाती काल केवल 180 दिनों का रखा गया है, वहीं साल्टोरो की कुछ चौकियों पर यह अवधि कभी भी 90 दिनों से अधिक नहीं होती तो बाना पोस्ट पर सैनिक को महज 30 दिन रहना पड़ता है, जिस तक पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी और विश्व का सबसे ऊंचा हैलीपैड सोनम (19000 फुट) है। सियाचिन पर सुविधा-स्थिति तब से सुधरना शुरू हुई जब तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने मंत्रालय के सिविल अधिकारियों को वहां की ठंड और परेशानियों का वास्तविक अनुभव लेने को भेजा था। पाकिस्तान के साथ बृहद वार्ता प्रक्रिया में रक्षा सचिवों की कार्य-सूची में सियाचिन मुद्दा 6वें स्थान पर है। संवाद के 13 चरण हो चुके हैं, आखिरी 2012 में रावलपिंडी में हुआ था। जनरल नरवणे ने अपने नए कथन से सियाचिन मुद्दे के हल और द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार के लिए एक और दरवाजा खोलने की कोशिश की है।

सुरक्षा कवच को हथियार बनाने के खतरे

अनूप भटनागर

उच्चतम न्यायालय ने ससुराल में स्त्रियों पर होने वाले अत्याचार के मामलों से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के बारे में 2005 में कहा था कि इस प्रावधान का मकसद दहेज को जड़ से खत्म करना है लेकिन इस प्रावधान का दुरुपयोग एक नए कानूनी आतंकवाद को जन्म दे सकता है। इसी तर्ज पर अब पत्नी की मर्जी के बगैर उससे यौनाचार को अपराध नहीं मानने संबंधी भारतीय दंड संहिता की धारा 375 अपवाद-दो के पक्ष में दलीलें दी जा रही हैं। इस अपवाद को समाप्त करने के लिए दायर याचिकाओं पर दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा जा रहा है कि इसे निरस्त करने से इसके दुरुपयोग की घटनाएं बढ़ेंगी और परिवार टूटने के खतरे हो जाएंगे। अब न्यायपालिका भी महसूस करती है कि यौन उत्पीड़न के झूठे आरोपों में पुरुषों को फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति से महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रयासों को धक्का लगता है।

महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग से न्यायपालिका चिंतित है। ये दुरुपयोग भले ही अपवाद लगें लेकिन धीरे-धीरे ऐसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। तभी न्यायपालिका लगातार अपनी व्यवस्थाओं में महिलाओं के हितों की रक्षा से संबंधित कानूनों का इस्तेमाल बहुत ही सावधान से करने पर जोर देती रही है। न्यायपालिका भी महसूस करती है कि कई बार आवेश में आकर या फिर अपने विरोधी या प्रतिद्वंद्वी को सबक सिखाने के इरादे से ही यौन हिंसा, यौन उत्पीड़न या फिर दहेज के कारण प्रताड़ना जैसे आरोप लगा दिये जाते हैं जो आगे चलकर सही साबित नहीं होते। अक्सर निराधार आरोपों की वजह से कई जिंदगियां भी बर्बाद हो जाती हैं।

उच्चतम न्यायालय ने ससुराल में स्त्रियों पर होने वाले अत्याचार के मामलों से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के बारे में 2005 में कहा था कि इस प्रावधान का मकसद दहेज को जड़ से खत्म करना है लेकिन इस प्रावधान का दुरुपयोग एक नए कानूनी आतंकवाद को जन्म दे सकता है। इसी तर्ज पर अब पत्नी की मर्जी के बगैर उससे यौनाचार को अपराध नहीं मानने संबंधी भारतीय दंड संहिता की धारा 375 अपवाद-दो के पक्ष में दलीलें दी जा रही हैं। इस अपवाद को समाप्त करने के लिए दायर याचिकाओं पर दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा जा रहा है कि इसे निरस्त करने से इसके दुरुपयोग की घटनाएं बढ़ेंगी और परिवार टूटने के खतरे हो जाएंगे। अब न्यायपालिका भी महसूस करती है कि यौन उत्पीड़न के झूठे आरोपों में पुरुषों को फंसाने की बढ़ती प्रवृत्ति से महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रयासों को धक्का लगता है। दरअसल, कुछ मामलों में तो न्यायालय ने बलात्कार जैसे गंभीर आरोप झूठे पाये जाने पर शिकायतकर्ता पर जुर्माना लगाने के साथ ही उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की पीड़ित पक्ष को छूट भी दी है। लेकिन अब मांग है कि पीड़ित पक्ष को यौन हिंसा से पीड़ितों की तरह ही उचित मुआवजा दिया जाए। आज छोटे-मोटे मुद्दों पर भी यौन उत्पीड़न के आरोपों के साथ प्राथमिकी दर्ज होने लगी हैं, जिनमें आगे चलकर आरोप सही नहीं पाये गए और प्राथमिकी रद्द हो गयी। लेकिन निर्दोष व्यक्तियों की प्रतिष्ठा धूल-धूसरित हो रही है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न के आरोपों की चपेट में आए दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निरस्त कर दी और शिकायतकर्ता के रवैये पर तीखी टिप्पणियां कीं। दरअसल, शिकायतकर्ता महिला और प्रोफेसर पड़ोसी थे और दोनों में पानी की टंकी गिराने के मुद्दे को लेकर टकराव की स्थिति थी लेकिन महिला ने प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न और धमकाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करा दी। पुलिस ने मामला निपटाने के लिए आरोपी को पांच लाख रुपये के साथ थाने में बुला लिया।

इस समय, उच्चतम न्यायालय में भी एक पूर्व महिला अतिरिक्त जिला न्यायाधीश का मामला लंबित है जिन्होंने कई अन्य न्यायिक अधिकारियों के द्वारा तबादला किये जाने पर यौन उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए 15 जुलाई, 2014 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के मद्देनजर सांसदों ने राज्यसभा के सभापति को एक याचिका दी। सभापति ने सारे तथ्यों का पता लगाने के लिए एक समिति गठित की, जिसने 15 दिसंबर, 2017 को यौन उत्पीड़न के आरोपों को गलत पाया था। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने अप्रैल, 2021 में कांग्रेस के एक नेता पर बलात्कार का झूठा आरोप लगाने वाली एक युवती पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। अब आवश्यकता इन कानूनों का दुरुपयोग रोकने की है।

दिल, दिमाग और शरीर को दुरुस्त रखती है कॉफी

सर्दी के मौसम में चाय पीना किसी पसंद नहीं होता? अमूमन हर कोई सर्दी से बचने के लिए चाय या कॉफी जरूर पीता है। लेकिन तमाम लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होती कि कप कॉफी पीने से आपका मन ही प्रसन्न नहीं होता बल्कि आपके शरीर को एनर्जी भी मिलती है। इसके अलावा भी कॉफी पीने से कई और फायदे होते हैं जिनके बारे में आप नहीं जानते होंगे। बता दें कि कॉफी एक ऐसा पेय पदार्थ है जो आपके फोकस को ठीक करने और आपके एनर्जी लेवल को बढ़ावा देता है। दरअसल, बहुत से लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप कॉफी के साथ करते हैं, जो आपके मूड को भी बूस्ट करता है। इसके साथ ही कॉफी शरीर को कई और लाभ प्रदान करती है। यह आपके दिल के स्वास्थ्य से लेकर लीवर तक के लिए फायदेमंद माना जाता है। आज हम आपको कॉफी के ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपने आज तक नहीं सुना होगा।

स्ट्रेस लेवल कम करती है कॉफी

यही नहीं कई अध्ययनों में पाया गया है कि कॉफी पीने से स्ट्रेस लेवल कम होता है और डिप्रेशन की समस्या भी कम होती है। यहां तक कि आत्महत्या जैसी गंदी भावना को भी कॉफी पीने से कम किया जा सकता है। एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि जो लोग कॉफी का सेवन करते हैं उनके शारीरिक रूप से सक्रिय होने की संभावना अधिक होती है।

हार्ट को रखता है हेल्दी

यही नहीं, कुछ शोध में पाया गया कि जो लोग कॉफी पीते है उन्हें हृदय रोग, स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। कुछ शोध से पता चलता है कि कॉफी पीने से दिल की सेहत को फायदा हो सकता है। वहीं एक समीक्षा में पाया गया कि प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी कम हो जाता है।

हेल्दी रहता है दिमाग

इसके साथ ही कुछ शोध में पता चला है कि कॉफी अल्जाइमर रोग और पार्किंसंस रोग समेत कुछ न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों से बचाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, कई अध्ययनों से पता चला है कि कॉफी पीने से डिमेंशिया का खतरा भी कम होता है।

कम होता है टाइप-2 डायबिटीज का खतरा

इसके अलावा कॉफी पीने वालों को टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है। कुछ शोधों में ये बात सामने आई है कि नियमित रूप से कॉफी का सेवन करने से लंबे समय तक टाइप 2 डायबिटीज के विकास के जोखिम को कम करता है। कुछ अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि प्रति दिन एक कप कॉफी पीने से टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

कॉफी से बढ़ता है एनर्जी लेवल

कॉफी में कैफीन की मात्रा बहुत होती है। जो थकान से लड़ने और एनर्जी के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। क्योंकि कैफीन एडेनोसाइन नामक एक न्यूरोट्रांसमीटर के रिसेप्टर्स को अवरुद्ध करता है और यह मस्तिष्क में अन्य न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर को बढ़ाता है जो डोपामाइन समेत एनर्जी के स्तर को नियंत्रित करते हैं।

वजन कम करने में मददगार

इसके अलावा कुछ शोध बताते है कि कॉफी पीने से शरीर के अतिरिक्त फैट को बर्न करने में मदद करती है। साथ ही आंतों को भी स्वस्थ रखती है जो कि वजन कम करने के लिए जरूरी है। अध्ययनों की समीक्षा में निष्कर्ष निकला है कि अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करने से शरीर में फैट जमा नहीं होता और यह वजन को कंट्रोल में रखता है।

स्वस्थ रहता है लीवर

इनके अलावा कॉफी पीने से लीवर को स्वस्थ रखा जा सकता है। कॉफी लीवर को कई प्रकार की बीमारियों से बचाती है। इन बीमारियों में फैटी लीवर और लीवर का कैंसर भी शामिल है।

हंसना मना है

पत्नी: आप बहुत भोले हैं आपको कोई भी बेवकूफ बना देता है। पति: शुरुआत तो तुम्हारे पापा ने की थी।

दुकानदार: कैसा सूट दिखाऊं? महिला: पड़ोसन तड़प-तड़प कर दम तोड़ दे ऐसा।

टीचर : संजू यमुना नदी कहां बहती है? संजू : जमीन पर: टीचर: नक्शे में बताओं कहां बहती है? संजू : नक्शे में कैसे बह सकती है, नक्शा गल नहीं जाएगा।

गर्लफ्रेंड : मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड: कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

एक दिन पति ने पत्नी को शराब चखाई। पत्नी: यह तो बहुत कड़वी है। पति: तो तुम क्या समझती थी कि मैं अय्याशी करता हूं.... जहर के घूंट पीता हूं, जहर के..

टीचर: कल क्यों नहीं आया? चिंटू: नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर: जल्दी बता, चिंटू: Valentine Day पर गर्लफ्रेंड के साथ था, टीचर: इतना छोटा होकर भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? चिंटू: आपकी बेटी, टीचर बेहोश

कहानी: किसके लिए

एक दिन अकबर दरबार में आए तो वह बहुत गुस्से में थे। कोई कुछ भी पूछता तो वह गुस्से में ही उत्तर देते। दरबारी समझ गये कि आज बादशाह का मूड ठीक नहीं है। दरबार समाप्त होने पर बीरबल ने अकबर से उनके गुस्से का कारण पूछा। अकबर ने कहा, अरे, छोड़ो न इस बात को! मेरा दामाद बड़ा पाजी है। मैं गुस्सा न करूं तो क्या करूं? हमेशा उल्टी-सीधी हरकतें करता रहता है। अब देखो न, अपनी बेटी से मिले हुए मुझे एक वर्ष हो गया है। फिर भी मेरा दामाद उसे नहीं भेजता। अकबर ने गुस्से से कहा। जहांपनाह, इसमें इतना नाराज होने वाली क्या बात है? मैं आज ही बेटी को लाने के लिए आदमी भेज देता हूं। आदमी तो मैंने भी भेजा था, पर दामाद मानता ही नहीं। वास्तव में यह दामाद जाति होती ही बहुत खराब है। अब तुम एक काम करो। मैदान में कुछ सूलियां तैयार करवाओ। हम अपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ा देंगे। बीरबल ने बादशाह अकबर को बहुत समझाया फिर भी उनका गुस्सा शान्त नहीं हुआ। वह कोई बात सुनने को तैयार नहीं थे। आखिरकार बीरबल ने एक मैदान में कुछ सूलियां तैयार करा दी। जब बीरबल अकबर को मैदान में सूलियां दिखाने ले गये, तो सूलियां देखकर बादशाह को तसल्ली हो गयी। वह बोले ठीक है, अब मैं अपने राज्य से दामादों का नामोनिशान मिटा दूंगा। इतने में एक सोने और एक चांदी की सूलियों पर अकबर की नजर पड़ी तो वे चौंके। उन्होंने बीरबल से पूछा, अरे बीरबल, तुमने ये दो कीमती सूलियां किसके लिए बनावायी हैं? बीरबल ने सिर झुकाकर कहा, हुजूर! सोने की सूली आपके लिए और चांदी की मेरे लिए। बादशाह अकबर सोच में पड़ गये। उन्होंने बीरबल से कहा, मैंने तुम्हें ऐसा करने के लिए कब कहा था? हम दोनों को सूलियों पर थोड़े ही चढ़ना है? जहांपनाह! आपने राज्य के सभी दामादों को सूली पर चढ़ाने के लिए कहा था। आप और मैं भी तो किसी के दामाद हैं। यदि सभी दामाद सूलियों पर चढ़ाए जाएंगे, तो हम भी कहां बच पाएंगे? आप बादशाह हैं, इसलिए आपके लिए सोने की सूली बनवायी और मैं आपका खास आदमी हूं, इसलिए अपने लिए चांदी की सूली बनवाई है। देखें, दोनों सूलियां कितनी अच्छी बनी हैं? बीरबल की बात सुनकर बादशाह अकबर सन्न रह गये। उन्हें अपनी भूल समझ में आ गयी। उन्होंने फौरन राज्य के दामादों को सूलियों पर चढ़ाने का आदेश रद्द कर दिया।

शिक्षा: जब आप लोगों को गुस्से और जल्दी में वर्गीकृत करते हैं तो निश्चित कर लें कि आप भी उस श्रेणी में न आ जाए। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक बार उस पर विचार कर लें नहीं तो कई बार परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। पार्टनर के साथ हुई अनबन से आज आपको राहत मिलेगी। आज आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आपको शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है।

तुला
पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। आज पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें। पार्टनर से आज सुख मिलेगा। तुला राशि वालों की दोस्ती प्यार में बदल सकती हैं।

वृषभ
आज आपके नए रिश्ते बन सकते हैं। अपनी भावनाएं पार्टनर के साथ शेयर करेंगे। बिगड़े रिश्तों में मधुरता लाने के लिए आज बात करें। पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा।

वृश्चिक
आज छोटी-छोटी बातों पर पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है। पार्टनर के साथ मन मुटाव हो सकता है। आज शादी की बात घर ना करें। पति-पत्नी के बीच सब ठीक रहेगा।

मिथुन
कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। पार्टनर की गलती को नजरअंदाज करें। पति-पत्नी के बीच शांति बनी रहेगी। आज आप आपको नए दोस्त से प्रस्ताव मिल सकता है, जिससे आप उलझन महसूस करेंगे।

धनु
आज पार्टनरशिप में नयापन लाने का प्रयास करेंगे। इससे आपके संबंधों में ताजगी आएगी। वाद-विवाद से बचें। रिश्तों में तनाव ना आएं इसका ध्यान रखें।

कर्क
पति-पत्नी के बीच सब सामान्य रहेगा। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है। आज का दिन अच्छा साबित होगा। आज सिंगल लोग किसी खास इंसान से मिलने की कोशिश करेंगे।

मकर
पार्टनर से किसी बात को मनवाने का दबाव ना बनाएं। आज पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है। पार्टनर के साथ हुए झगड़े से आप बोझिल महसूस करेंगे लेकिन थोड़े समय बाद सब ठीक होगा।

सिंह
आज आपके काम पूरे होंगे। सहयोगी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज आप प्यार का इजहार कर सकते हैं, जिसमें सफलता मिल सकती है। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी।

कुम्भ
पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। पार्टनर से आज आपको भरपूर रोमांस मिलेगी। आज के दिन लव लाइफ में अच्छी खबर मिल सकती है। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। आज आपको पार्टनर से खूब प्यार मिलेगा। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा समय तक चल सकती है।

मीन
आज पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बना सकेंगे। पति-पत्नी के बीच तालमेल रहेगा। सिंगल लोगों की लाइफ में पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

मनोज तिवारी ने कंगना को दी मर्यादा में रहकर बात करने की नसीहत

कंगना रनौत बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में शुमार हैं जो अपने बोल्ड बयानों से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। वह हर मुद्दे पर निडरता के साथ अपनी राय रखती हैं, लेकिन इसी के कारण कंगना कई लोगों के निशाने पर आ चुकी हैं। कंगना जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार समेत अन्य हस्तियों पर हमलावर हो जाती हैं, उसे एक्टर और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी सही नहीं मानते। मनोज तिवारी ने कंगना को अपनी भाषा मर्यादित रखने की सलाह दी है। मनोज तिवारी ने कहा, मर्यादित भाषा होनी चाहिए और कंगना भाषा में कभी-कभी मर्यादा खो जाती हैं। मनोज तिवारी अन्फिल्टर्ड विद समदीश शो में बात कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि वह कंगना के बारे में क्या सोचते हैं तो उन्होंने कहा कि वह उनके बारे में कुछ नहीं बोलना पसंद करेंगे। पर जब आगे पूछा गया कि क्या वह कंगना से डरते हैं तो मनोज तिवारी ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि आपको अपनी राय इतनी विस्फोटक नहीं रखनी चाहिए कि (वह सीधे हिट करे)। लेकिन वह (कंगना रनौत) अपनी विस्फोटक व्यूज के साथ हिट करती हैं। मनोज तिवारी ने उदाहरण देते हुए कहा, कलाकारों की भी अपनी एक जिम्मेदारी होने चाहिए या आपको इसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए अगर आप राजनीति में शामिल हो गए हैं। मनोज तिवारी ने आगे कहा, मैं समझ गया कि जब उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद बात की थी, और मुझे लगता है कि महाराष्ट्र राज्य सरकार भी उनके प्रति थोड़ी कठोर थी। वह भी सही नहीं था। लेकिन आपको विनम्र रहना चाहिए। आपको अपने विचार रखने चाहिए, पर किसी का अपमान करना हमारे देश की संस्कृति में नहीं है। हर किसी को मुख्यमंत्री का पद धारण करने वाले व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए।

फिर दिल जीतने आए अमिताभ बच्चन

महानायक अमिताभ बच्चन लंबे वक्त से अपनी अगली फिल्म झुंड को लेकर चर्चा में हैं। जबसे इस फिल्म का ऐलान किया गया है, तभी से फैंस इसके लिए उत्साहित हैं। अब आखिरकार दर्शकों के बीच बेसब्री को दोगुना करते हुए फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में बिग बी के साथ कुछ नए चेहरे भी देखने को मिल रहे हैं।

शानदार है टीजर

टीजर ने कुछ यंगस्टर्स को देखा जा रहा है, जो टूटी-फूटी चीजों से जबरदस्त म्यूजिक बना रहे हैं। इसके बाद बिग बी की एंट्री होती है और उन्हें देखते ही सभी उनके पीछे चलने लगे हैं। टीजर तो काफी दमदार है, लेकिन फिल्म क्या कमाल दिखाती है, इसका खुलासा तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

बायोग्राफी है झुंड

मराठी फिल्मकार नागराज मंजुले के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है। यह एक बायोग्राफिकल फिल्म है। इसमें प्रोफेसर विजय बर्से की कहानी को पर्दे पर उतारा गया है, जिन्होंने स्लम के बच्चों की फुटबॉल टीम बनाने में मदद की। फिल्म में अमिताभ बच्चन को विजय की भूमिका में देखा जाएगा।

बॉलीवुड | मसाला

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म में बिग बी के अलावा इसमें रिंकु राजगुरु और आकाश तोषर जैसे सितारे भी लीड रोल में दिखेंगे। ये दोनों फिल्म सैराट में पहले देशभर में खूब धमाल मचा चुके हैं। झुंड की रिलीज डेट पिछले 3 सालों से पोस्टपोन हो रही है। अब आखिरकार इसे 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाने वाला है।

भारत की राइटिंग विद फायर ऑस्कर 2022 के लिए नॉमिनेट

रिंटू थॉमस और सुष्मित घोष द्वारा निर्देशित भारतीय डॉक्यूमेंट्री राइटिंग विद फायर ने 94वें अकादमी पुरस्कार के सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर श्रेणी में नामांकन प्राप्त किया है। डॉक्यूमेंट्री को असेंशन, एटिका, फ्ली और समर ऑफ द सोल के साथ नामांकित किया गया है। राइटिंग विद फायर एकमात्र भारतीय फिल्म है, जिसे इस साल के ऑस्कर पुरस्कारों में नामांकित किया गया है।

राइटिंग विद फायर के बारे में क्या कह रही है दुनिया?

ऑनलाइन बातचीत के दौरा फेमिनिस्ट आइकॉन ग्लोरिया स्टीनम ने फिल्म को वास्तविक जीवन से प्रेरित होने के लिए सराहा। उन्होंने कहा, भारत मेरा दूसरा घर है। मैं कॉलेज के बाद दो साल तक वहां रही। हम (अमेरिका और भारत) दुनिया के दो सबसे बड़े, सबसे विविध लोकतंत्र हैं। हमें एक-दूसरे की जरूरत है, और एक-दूसरे से सीखने की जरूरत है। वैराइटी ने फिल्म को भारत की पत्रकारिता के गौरव के लिए उत्साहजनक, प्रेरणादायक श्रद्धांजलि कहा। हॉलीवुड रिपोर्टर ने अपनी समीक्षा में लिखा, फिल्म की अंतरंगता और तात्कालिकता की भावना दर्शकों को ऐसा महसूस कराती है कि वह खुद उन पत्रकारों के साथ ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहे हैं। वहीं वाशिंगटन पोस्ट ने इसे सबसे प्रेरक पत्रकारिता फिल्म कहा।

बॉलीवुड | गपशप

अन्य महत्वपूर्ण सम्मान

इससे पहले राइटिंग विद फायर का 2021 में सनडांस फिल्म फेस्टिवल में विश्व प्रीमियर हुआ था। इस फेस्टिवल में डॉक्यूमेंट्री ने दो पुरस्कार-द ऑडियंस अवॉर्ड और एक स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी जीते। अब तक इस डॉक्यूमेंट्री को 20 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

अजब-गजब | इस होटल में 60 हजार सीढ़ियां चढ़कर पहुंचते हैं मेहमान

जमीन से 1830 मीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है यह होटल, उपलब्ध हैं सभी लग्जरी सुविधाएं

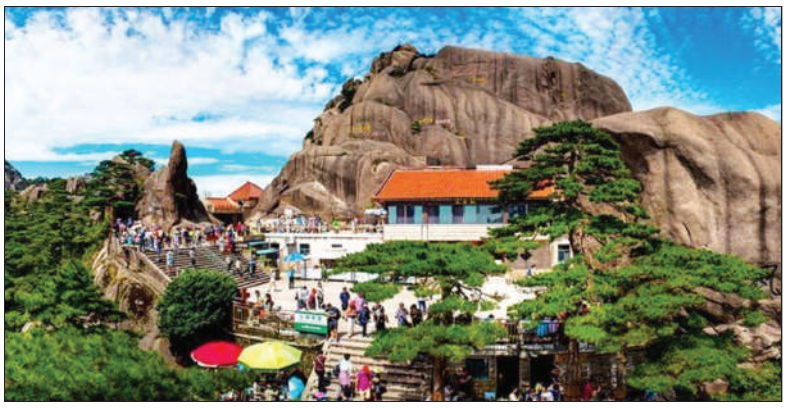

आपने दुनियाभर में तमाम होटलों के बारे में सुना होगा। लेकिन शायद ही आपने पहाड़ की चोटी पर बसे एक होटल के बारे में सुना होगा। जो चीन में स्थित है। ये होटल इतने ऊंचे पहाड़ पर बनाया गया है कि सैलानियों को 60 हजार सीढ़ियां चढ़कर होटल तक पहुंचना होता है। यही नहीं इस होटल में दुनिया के अन्य होटल से भी अच्छी सुविधाएं मिलती है। इसलिए ये होटल दुनिया के सभी होटल्स से अलग है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चीन के यलो माउंटेन पर बने जेड स्क्रीन होटल की। जेड स्टार होटल जमीन से 1830 मीटर की ऊंचाई पर बना हुआ है। ऊपर पहुंचने पर हंगशन माउंटेन रेंज का सुंदर और शानदार नजारा देखने को मिलता है। ये होटल दुनिया का एक मात्र होटल है जो इतनी ऊंचाई पर बना हुआ है जहां पहुंचने के लिए लोगों को 60 हजार सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है। बता दें कि इतनी ऊंचाई पर होने के बावजूद इस होटल में सभी तरह की लग्जरी सुविधाएं मौजूद हैं। इस होटल में आपको स्पा और स्विमिंग पूल की सुविधा भी

मिलेगी। अगर कोई होटल तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता तो उसके लिए कुली का इंतजाम है। जो उन्हें कुर्सी पर बैठाकर ऊपर ले जाता है। यही नहीं पर्यटकों के लिए केबल कार की सुविधा भी मौजूद है। ये होटल कोई छोटा मोटा नहीं है बल्कि इस होटल में 65 सुइट्स और रूम्स है। जिसमें आपको वाई-फाई की सुविधा भी मिलती है। इस होटल में पहुंचने की सबसे बड़ी समस्या ये है कि अगर आप सामान के साथ होटल में जाते हैं तो आपको अपना सामान अपने कंधों पर ही लटका कर ले जाना पड़ेगा।

दुनिया का सबसे महंगा पानी, एक बोतल की कीमत में आ जाएगी मर्सिडीज कार

जल ही जीवन है। यह बात तो हम कई सालों से सुनते आ रहे हैं। डॉक्टर भी लोगों को ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं। लेकिन दुनिया में पानी के कई ब्रांड्स हैं जो काफी महंगे होते हैं। आपको उस पानी के ब्रांड के बारे में बताते हैं जिसकी कीमत लाखों में है। आपको सुनकर यह विश्वास नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दुनिया में सबसे महंगे एक बोतल पानी की कीमत इतनी है कि उसकी कीमत में एक शानदार मर्सिडीज की कार खरीदी जा सकती है। दुनिया में Acqua di Cristallo Tributo a Modigliani सबसे महंगा बोतल में बिकने वाला पानी है। फिजी और फ्रांस में एक नेचुरल स्प्रींग (जमीन के अंदर से निकला पानी का सोता) से यह पानी आता है। इस बोतल की पैकिंग की कीमत ही बहुत ज्यादा है। इसका पानी भी विशिष्ट स्वाद वाला होता है। लेकिन आप पानी की कीमत जानकर हैरान हो जाएंगे। दुनिया के सबसे महंगे पानी की एक बोतल की कीमत करीब 45 लाख रुपये है। इस बोतल में 1 लीटर पानी भी नहीं रहता है। इसमें सिर्फ 750 मिलीलीटर पानी ही आता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्वा दी क्रिस्टेलो ट्रिबूटो अ मोडिगलियानी पानी की एक बोतल की कीमत 45 लाख रुपए से ज्यादा है। इस पानी की बोतल 24 कैरेट सोने से बनी होती है।

क्यों है इतना महंगा

इस एक बोतल की पानी कीमत लाखों रुपये होनी की कई वजहें हैं। पानी महंगा होने की वजह इसकी बोतल भी है। इस पानी की बोतल 24 कैरेट ठोस सोने से बनी होती है। दुनिया के सबसे महंगे पानी के बोतल को दुनिया के सबसे मशहूर बोतल डिजाइनर फर्नांडो अल्तामिरानो ने डिजाइन किया है। दुनिया की सबसे महंगी बोतल कॉन्यैक डुडोगन हेरिटेज हेनरी IV को फर्नांडो ने ही डिजाइन किया था। इस पानी का स्वाद भी काफी अलग होता है। इसके अलावा यह आम पानी की तुलना में कई गुना ज्यादा एनर्जी वाला होता है।

प्रियंका के काफिले में शामिल लैंड क्रूजर कार का चालान लगा जुर्माना

» ओवरस्पीड पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। विधान सभा चुनाव प्रचार के लिए मथुरा में रोड शो के लिए आईं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी के काफिले में शामिल लैंड क्रूजर कार का यमुना एक्सप्रेस-वे पर चालान हो गया। कार का चालान ओवरस्पीड में किया गया है। प्रियंका गांधी करीब दो बजे वृंदावन के पवनहंस हैलीपेड पर हेलिकॉप्टर से पहुंची थीं। इससे कुछ समय पहले उनके काफिले में शामिल लैंड क्रूजर कार संख्या सीएचओ 1 बीआर 0027 यमुना एक्सप्रेस-वे से मथुरा आ रही थी। तभी ओवरस्पीड के चलते गाड़ी का चालान हुआ।

यमुना एक्सप्रेसवे पर लगे ऑटोमैटिक सिस्टम से कार की स्पीड मापी गई तो यह तय मानक से अधिक 122 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जिसके चलते ओवर स्पीड पर उनकी गाड़ी का चालान काटा गया। इसका जुर्माना दो हजार रुपये रखा गया है। एसपी ट्रैफिक हरेंद्र कुमार ने बताया कि चालान उनके कार्यालय में दो दिन बाद आएगा।

मायावती ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा सरकार बदलना ही विकल्प

» भाजपा सरकार में गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी

» मतदाताओं से बसपा को मौका देने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में पहले चरण का मतदान पश्चिम यूपी के 11 जिलों में जारी है। इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार निशाना साधा और कहा कि अब जनता के पास सरकार बदलने का ही एकमात्र विकल्प बचा है। उन्होंने कहा कि अब बसपा ही एक विकल्प है, लिहाजा उन्हें एक मौका और दें। मायावती ने कहा कि जनता के लिए यह फैसले की घड़ी है कि यूपी में आने वाले पांच वर्ष आपके लिए पहले की तरह ही दुख व लाचारी भरे होंगे या आप अपना उद्धार स्वंय करने योग्य बनेंगे।

मायावती ने एक के बाद एक तीन ट्वीट कर मतदाताओं से बसपा के लिए वोट करने की अपील की। उन्होंने लिखा, यूपी विधान सभा आम चुनाव के लिए पश्चिमी यूपी में 11 जिलों के 58 विधानसभा क्षेत्रों में आज प्रथम चरण के मतदान में आप सभी का हार्दिक स्वागत। यह फैसले की घड़ी है कि यूपी में आने वाले पांच वर्ष आपके लिए पहले की तरह ही दुख व लाचारी भरे होंगे या आप अपना उद्धार स्वंय करने योग्य बनेंगे। मायावती ने आगे लिखा, बसपा सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति का मूवमेन्ट है, जिसका लक्ष्य गरीबों, मजदूरों, किसानों, छोटे व्यापारियों व अन्य मेहनतकश समाज को लाचार व गुलाम जिन्दगी से मुक्ति दिलाकर उन्हें सत्ता में उचित भागीदार बनाना है, जो भाजपा, सपा व कांग्रेस आदि पार्टियों के बूते की बात नहीं। यूपी व केन्द्र की भाजपा सरकार खासकर गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई तथा गड्ढों वाली सड़क, बिजली, सफाई आदि की ज्वलन्त समस्याओं के प्रति शुतुरमुर्ग की तरह मुंह छिपाए बैठे रहने का अपराध करने से लोगों के पास अब सरकार बदलने का ही एकमात्र विकल्प. बीएसपी बेहतर विकल्प है। हमें मौका जरूर दें।

ट्रक की टक्कर से महिला और उसके बेटे की मौत

» वोट डालने परिवार सहित जा रहा था गांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। पंत चौराहे पर बुधवार की शाम करीब छह बजे ट्रक की टक्कर से एक बाइक सड़क पर गिर गई, जिससे बाइक पर बैठी महिला और उसके 10 महीने का मासूम बेटा ट्रक के पहिये के नीचे आ गए। दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने शवों को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुकेश पुत्र श्रीनिवासी लाल निवासी गांव पंचमपुर थाना मिरहची जिला एटा गाजियाबाद में बेलदारी का काम करते हैं। वह बाइक से अपनी पत्नी प्रीति और तीन बच्चों के साथ गांव लौट रहे थे। पंत चौराहे पर एक ट्रक ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर से सभी सड़क पर गिर गए। ट्रक के पहिये के नीचे आने से प्रीति (24 वर्ष) तथा उसकी गोद में बैठे 10 महीने के बेटे अतुल की कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चौराहे पर जाम लग गया। तत्काल कोतवाली पुलिस पहुंच गई। शवों को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेज दिया। चालक ट्रक को मौके पर खड़ा छोड़कर भाग गया। मृतका के पति मुकेश ने बताया कि वह वोट डालने के लिए गांव वापस जा रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।

उत्तराखंड : भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र

किसान, युवा और आधी आबादी पर फोकस

» केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बोले, हर वर्ग का रखा गया है ध्यान

» किसानों को दी जाएगी राज्य की ओर से भी सम्मान निधि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भाजपा का चुनाव घोषणा पत्र बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा जारी कर दिया गया। नितिन गडकरी ने इसे जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि इसमें हर वर्ग को ध्यान में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि ये देवों और वीर जवानों की भूमि है। दृष्टिपत्र उत्तराखंड के विकास की दृष्टि है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के साथ ही उत्तराखंड में अच्छा काम हुआ है। हमने सात साल में 50 लाख करोड़ के काम किए हैं। इस देश में पैसे की कमी नहीं है, दृष्टि की कमी है। घोषणा पत्र में कहा गया है कि भाजपा सरकार बनने पर चार धाम परियोजना का विस्तार किया जाएगा। मोक्षदा तीर्थ यात्रा योजना में वरिष्ठ नागरिकों को 10,000 तक की सब्सिडी दी जाएगी। हरिद्वार योग की अंतरराष्ट्रीय राजधानी बनेगा। यहां वेद पाठशालाओं के लिए एक करोड़ दिए जाएंगे। पुलिस बल का उन्तीकरण कर कानून व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज, सचल चिकित्सालय व डायलिसिस केंद्र खोले जाएंगे। किसानों को 8000 सहायता राशि दी जाएगी। हर ब्लॉक में किसान मंडी खोली जाएगी। लव जिहाद पर रोक लगेगी। महिला थानों की संख्या दोगुनी होगी । युवाओं को कौशल विकास से स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। स्मार्ट विलेज की परिकल्पना को साकार किया जाएगा। पूर्व सैनिकों को सीमावर्ती क्षेत्रों में बसने के लिए मदद दी जाएगी। 45 नए स्पाट टूरिज्म विकसित किए जाएंगे। छह हजार केंद्र और छह हजार राज्य सरकार किसान सम्मान निधि देगी। हर जिले में बनेगा मेडिकल कालेज। बीपीएल परिवार की मुखिया को तीन हजार दिए जाएंगे।

हरदोई में युवक ने की आत्महत्या

» घटना के कारणों का नहीं चला पता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। माधौगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत छत के ऊपर बने कमरे में सो रहे रिटायर फौजी के पुत्र ने अज्ञात कारणों के चलते तमंचा से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने सुबह उठकर देखा तो वह मृत मिला। सीओ बिलग्राम ने मौके पर पहुंच कर पिता से घटना की जानकारी ली।

थाना क्षेत्र के गांव सेलापुर निवासी अमर सिंह फौजी के पुत्र राजन सिंह (23) ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंचे सीओ सत्येंद्र कुमार व थानाध्यक्ष सुब्रत नरायन को पिता अमर सिंह ने बताया कि राजन शाम साढ़े सात बजे खाना खाकर हमेशा की तरह ऊपर वाले कमरे में सोने चला गया। परिवार के लोग लगभग दस बजे तक टीवी देखने के बाद सो गए। सुबह 9 बजे तक राजन नीचे नहीं आया तो उसके कमरे में पिता अमर सिंह जगाने गए तो देखा कि राजन खून से लथपथ मृत पड़ा है। राजन कमरे में अकेला लेटता था। गांव के किनारे उत्तर दिशा में मकान होने के कारण कोई तमंचे की आवाज नहीं सुन सका। परिवार के अन्य सदस्य मकान के नीचे सो रहे थे। राजन ने सात महीने पहले भी नशीली गोलियां खा ली थीं।

कांग्रेस में आने वाला है बड़ा भूचाल : शेखावत

» पंजाब भाजपा प्रभारी का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां चरम पर हैं। सभी सियासी दल एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को लेकर कयासबाजी का दौर कम नहीं हो पा रहा है। पंजाब भाजपा के प्रभारी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक बयान ने सनसनी फैला दी है। शेखावत ने दावा किया है कि पंजाब में कांग्रेस में जल्द ही बड़ा भूचाल आनेवाला है।

गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि कांग्रेस में अभी भूचाल आना बाकी है। चुनाव के बीच सुनील जाखड़ ने सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया जबकि उन पर चुनावी कंपेन की जिम्मेदारी थी। कांग्रेस अंतरकलह से जूझ रही है। सिद्धू क्या कह रहे हैं या नहीं कह रहे हैं इस पर वह कोई कमेंट नहीं करेंगे, लेकिन कांग्रेस में जल्द ही बड़ा भूचाल आएगा।

चन्नी को सीएम चेहरा घोषित कर फंसी कांग्रेस, अब जट सिख वोट खोने का डर

» शुरू कराया सर्वे, टीम को भेजा जट सिख बाहुल्य क्षेत्रों में, दलित वर्ग से आते हैं चन्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चेहरा चरणजीत सिंह चन्नी को घोषित करने के बाद अब कांग्रेस को जट सिख दूर होने का डर सताने लगा है। पार्टी ने इस फैसले का पंजाब की दूसरी ऊंची जातियों पर पड़ने वाले असर को जानने के लिए सर्वे शुरू करवाया है।

2017 की तर्ज पर कांग्रेस ने 2022 में भी पंजाब चुनाव में मुख्यमंत्री चेहरे के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में चरणजीत सिंह चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू को शामिल कर सर्वे भी कराया था। सर्वे में चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री चेहरा बनाए जाने के आए रुझान का फैसला 6 फरवरी को राहुल गांधी ने लुधियाना में हुई रैली में सार्वजनिक किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस फैसले को लेकर काफी खुश हैं क्योंकि मुख्यमंत्री चन्नी दलित वर्ग से आते हैं और सूबे में 32 प्रतिशत दलित वोट को वह प्रभावित कर सकते हैं। वहीं अब कांग्रेस को यह भी डर सता रहा है कि राहुल गांधी के इस फैसले से राज्य की दूसरी ऊंची जातियों पर खासकर जट सिख पर विपरीत प्रभाव न पड़े। यह जानने के लिए कांग्रेस नेतृत्व द्वारा राज्य में सर्वे शुरू किया गया है। इसके लिए कार्यकर्ताओं की विशेष टीमें बनाकर राज्य भर में जट सिख और हिंदू बाहुल्य सीटों में भेजा गया है। कार्यकर्ता यह जानने का प्रयास करेंगे कि दलित मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी के फैसले का क्या असर पड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद कांग्रेस में जट सिख के बड़े चेहरे के रूप में नवजोत सिंह सिद्धू को देखा जा रहा है। हालांकि पार्टी के दूसरे जट सिख चेहरे और उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और दूसरे नेताओं को सिद्धू स्वीकार नहीं हैं।

चुनाव की धुरी रहा है जट सिख

पंजाब की सियासत में जट सिख वोट बैंक हमेशा ही चुनाव की धुरी बनकर रहा है। यही कारण रहा कि अभी तक राज्य में जट सिख ही मुख्यमंत्री बना है। वोट बैंक में 32 प्रतिशत हिस्सेदारी के बाद भी दलित मुख्यमंत्री की चर्चा कभी नहीं हुई। यह पहली बार होगा कि पंजाब की सियासत में गैर जाट और दलित मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के रूप में राज्य को मिला है।

मेरे वोट से ज्यादा जरूरी बाकी सीटों पर प्रचार : जयंत

रालोद मुखिया नहीं लड़ रहे विधानसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी ने आज अपना वोट नहीं डाला। ऐसी खबरें सोशल मीडिया पर चल रही हैं। जयंत खुद भी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। रालोद के सूत्रों का कहना है कि जयंत कहते हैं कि सत्ता परिवर्तन के लिए मेरा वोट इतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना पार्टी के लिए प्रचार जरूरी है। गांव-गांव तक प्रचार जाएगा, तभी सत्ता परिवर्तन होगी। रालोद मुखिया जयंत चौधरी के साथ उनकी पत्नी चारु चौधरी भी चुनाव नहीं लड़ रहीं। जयंत चौधरी पहले ही कह चुके हैं कि मुझे पार्टी के लिए काम करना है। यही मैं कर रहा हूं। मेरे लिए पार्टी का प्रचार करना सबसे बड़ी ताकत है। बता दें कि यह पहला चुनाव है, जब आरएलडी की कमान जयंत चौधरी के कंधों पर है। जयंत चौधरी का मथुरा जिले की शहर सीट पर उनका वोट है। वह मांट से विधायक व मथुरा से पूर्व में सांसद रह चुके हैं। बताया गया है कि जयंत चौधरी का आज बिजनौर में चुनावी कार्यक्रम है। बिजनौर में दूसरे चरण में चुनाव होना है। ऐसे में जयंत चौधरी आज सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ रथ से प्रचार करेंगे।

किसान आंदोलन से बदले जयंत के तेवर

पार्टी की माने तो जयंत चौधरी ने कहा कि मेरे वोट से ज्यादा मेरा पार्टी के लिए प्रचार जरूरी है। पहले चरण के लिए वोटिंग हो रही है। जाटलैंड बागपत की तीनों विधानसभा छपरौली, बड़ौत व बागपत में लोगों में सुबह से ही उत्साह है। इस विधानसभा चुनाव में आरएलडी व सपा का गठबंधन है। वेस्ट यूपी में इस चुनाव में आरएलडी अपनी विरासत बचाने की लड़ाई लड़ रही है। किसान आंदोलन के बाद जयंत चौधरी के अपनी पार्टी के लिए तेवर बदले हुए हैं।

केंद्र सरकार ने संसद में माना

तीन साल में नौ हजार लोगों ने बेरोजगारी के कारण आत्महत्या की

साल 2020 में 5213 लोगों ने कर्ज के कारण सुसाइड कर लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

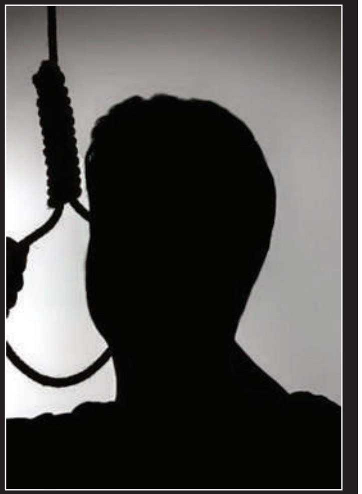

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में आत्महत्याओं से जुड़े आकड़ों को साझा किया। सरकार ने राज्यसभा को सूचित किया कि 2018 से 2020 के बीच 16000 से अधिक लोगों ने दिवालियेपन या कर्ज के कारण आत्महत्या की, जबकि 9,140 लोगों ने बेरोजगारी के कारण अपना जीवन समाप्त कर लिया। सदन में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि 2020 में 5,213 लोगों ने दिवालियेपन या कर्ज के कारण आत्महत्या की, 2019 में 5,908 और 2018 में 4,970 लोगों ने आत्महत्या की है।

उन्होंने कहा कि 2020 में बेरोजगारी के कारण कुल 3,548, 2019 में 2,851 और 2018 में 2,741 लोगों ने आत्महत्या की है। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को लागू कर रही है और देश के 692 जिलों में एनएमएचपी के तहत जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन का समर्थन कर रही है जो आत्महत्या रोकथाम सेवाएं प्रदान करता है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने बेरोजगारी कम करने के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभ और बेरोजगारी की बहाली के साथ-साथ नए रोजगार के सृजन के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना शुरू की है। साथ ही कहा कि नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं के लिए नौकरी के मिलान के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना शुरू की गई है। राय ने बताया कि भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भी रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

फोटो: 4पीएम

धरना | अमन मणि त्रिपाठी को बसपा से टिकट मिलने पर कवियित्री मधुमिता शुक्ला की बहन निधि शुक्ला और सारा सिंह की मां सीमा सिंह ने बीएसपी कार्यालय के बाहर दिया धरना। वे अमन मणि को टिकट दिए जाने से नाराज हैं इस बीच पुलिस से कहासुनी भी हुई।

गृह राज्य मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा को हाई कोर्ट से जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा केस में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने आशीष मिश्रा को जमानत दी है। इस मामले पर सुनवाई पहले ही पूरी हो चुकी थी। कोर्ट ने अब फैसला सुनाते हुए जमानत दे दी है। उम्मीद है कि आशीष मिश्रा कल तक जेल से बाहर आ सकते हैं। लखीमपुर हिंसा केस में उत्तर प्रदेश एसआईटी ने हाल ही में चार्जशीट दाखिल की थी। 5000 पन्ने की चार्जशीट में एसआईटी ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बताया था। इतना ही नहीं, एसआईटी के मुताबिक, आशीष घटनास्थल पर ही मौजूद था। एसआईटी ने अपनी जांच में लखीमपुर हिंसा में आशीष मिश्रा के असलहों से फायरिंग की पुष्टि की थी।

कांग्रेस की दूसरी पोस्टर गर्ल ने भी छोड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस की 40 प्रतिशत महिलाओं को प्रत्याशी बनाने की योजना से महिलाएं ही प्रभावित हैं। कांग्रेस के लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान की पोस्टर गर्ल डॉ प्रियंका मौर्या के बाद अब दूसरी पोस्टर गर्ल वंदना सिंह के पार्टी को छोड़ देने से कांग्रेस के नारी सशक्तिकरण अभियान को बड़ा झटका लगा है।

लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान की पोस्टर गर्ल वंदना सिंह ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वंदना यूपी महिला कांग्रेस के मध्य जोन की उपाध्यक्ष के पद पर जिम्मेदारी संभाल रही थीं। वंदना सिंह ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा पार्टी में ईमानदार कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है। टिकट वितरण में दलाली की जा रही है। कांग्रेस की पदाधिकारी होते हुए भी महिलाओं को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मिलने का मौका नहीं मिलता।

इलाहाबाद पश्चिमी सीट से रिचा सिंह सपा प्रत्याशी

निर्वाचन अधिकारी ने घोषित किया प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद पश्चिम से रिचा सिंह सपा की अधिकृत प्रत्याशी होंगी। इस क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट ने रिचा सिंह के सपा से नामांकन करने के विरोध में अमरनाथ मौर्य की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। इसके खारिज होने के बाद अमरनाथ निर्दलीय प्रत्याशी हो गए।

ऐसे में अब अमरनाथ मौर्य निर्दलीय चुनाव भी नहीं लड़ सकेंगे। दो फरवरी को सपा ने अमरनाथ मौर्य को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया था। अमरनाथ ने 7 फरवरी को नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसके साथ उन्होंने पार्टी की ओर से जारी फार्म ए और बी भी दिया था। प्रत्याशी न बनाए जाने से असंतुष्ट रिचा सिंह ने विरोध जताया और ये बात पार्टी हाईकमान तक पहुंची तो पार्टी ने अमरनाथ मौर्य को दिया गया फार्म ए और बी निरस्त करते हुए रिचा सिंह को फार्म ए और बी आवंटित कर दिया। इस फार्म ए और बी के साथ पार्टी के अधिकृत व्यक्ति की ओर से अमरनाथ मौर्य के फार्म ए और बी निरस्तीकरण का पत्र संलग्न करते हुए रिचा सिंह ने आठ फरवरी को नामांकन कर दिया। अमरनाथ ने आपत्ति देर से दाखिल की, जिस कारण निर्वाचन अधिकारी ने उनकी आपत्ति को खारिज कर दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।